

Written by कुमार सौवीर  
Saturday, 12 August 2017 19:02

: 000000 000 0000 000 0000 000000000000 000000 000000 00 0000 0000 0000 00  
0000 00 0000 : 0000 000 00000000000 00 000000 000 000 0000000000 000000000000 00  
000 0000 **77** 000000 00 000 00 000000000000 000000 0000000000 : 0000000000 0000  
00 000 00 00000 0000000 000000 00 00000000 00 00 0000 00 00000 :



000000 000000

00000 : टीन शोषन इस बैक लेकनि इस बार आम चुनावों की राह पर नहीं, बल्कि आम चुनावों की आचार-संहिता में आमूल-चूल बदलाव लाने के लिए  
कनये टीन शोषन का अवतार हो गया है इस नये शोषन का नाम है आईबी सहि आपराधिक मामलों के विशेषज्ञ आईबी सहि ने अवध बार  
सोसियेशन के चुनाव को जसि तरह संचालित किया है, उसे देख कर लोगों ने दांतों तले उंगली दबा ली लेकिन हैरत की बात कि आईबी सहि और उनकी  
टीम ने जनि भी नयिम बनाये, उसे कड़ाई के साथ लागू तो किया ही, लेकिन साथ ही इस पूरे दौरान उनके फैसलों पर कोई भी ऐतराज दर्ज नहीं हो पाया

0000000000-0000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 000000 00000000 00000 00 000000 000000 :-

0000000 00000 00000

अवध बार सोसियेशन के ताजा हुए चुनाव के तरीके और उसके फैसलों से इतना साफ हो गया है कि आदर्श डगर पर कभी कुछ डरिरेल कर वकीलों की  
राजनीति के खासा नुकसान पहुंचा देने वाली परम्परा को इस बार फिर नयी पटरी पर लाने की सम्भावना जमीन पर उगने लगी है अवध बार  
सोसियेशन के बीते हुए चुनाव में तो ऐसी ही तस्वीर स्पष्ट होती दिख रही है कि भवष्य में अब अवध सोसियेशन में केन्द्रल वाकई और अरहता  
रखने वाले वकीलों का ही दस्तखत मंजूर हो पायेगा



बार सोसियेशन का चुनाव अब तक किसी भेड़िया-धंसान से कम नहीं होता था कभी कभी परत याशी पचासों लाख रूपया पूंजता था, न जाने कहां-कहां के  
बलि से बाहर निकल कर मतदान करने पहुंच जाते थे वकील परजी सदस्यता कर्ड का धंधा भी खूब चलता था लगभग सभी परत याशी अपने पक्ष में  
वोटों के प्रभावित करने के लिए दावतों पर पैसा खर्च करता था लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया आईबी सहि का ही सक्ति का चला, और खूब शक्ति

Written by कुमार सौवीर

Saturday, 12 August 2017 19:02

---

के साथ चला□

इस चुनाव के लॉ सहायकनरिवाचन अधिकारियों में सम्पूर्णानंद, जेड सद्वीकी, वेडी नाग, संजय सहि, अमति जायसवाल, प्रशांत सहि अटल, और सूर्यमणरैक्वार की टीम बनायी गयी थी□ बाकी पूरे प्रक्रिया के लॉ कुल 77 लोग तैनात किये गये थे□ इनमें महिला वकील भी अच्छी-खासी संख् या में तैनात थीं□



मतदान के दो दिन पहले तकसे पूरी टीम ने सीसीटीवी पर लगातार सतत नगरानी की और पूरी केशशि की, ताकि अधक्श मतदाताओं के पहचाना जा सके□ इसके लॉ प्रत् येक मतदाता के लॉ बार-केडगि करड जारी किये गये□ ताकि किसी भी तरह की धोखाधडी पर लगाम लगाया जा सके□ हालांकि इतने कड़े प्रतबंधों के बावजूद क मतदाता मौके पर पहुंच ही गया, लेकिन सत्रकनरिवाचन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया□

आईबी सहि बताते हैं कि इस चुनाव में करीब 27 सौ वकीलों ने अपना मतधकिर क प्रयोग किया□ जबकि पछिले चुनाव में करीब 33 सौ वकीलों ने अपना वोट डाला था□ इतना ही नहीं, आईबी सहि बताते हैं कि इस बीच दो हजार नये सदस् य बनाये गये थे□ लेकिन इसके कड़े प्रतबंधों के चलते इस बार वोटगि में 27 सौ वैध मतदाता ही आये□ उनक कहना है कि पछिले बरस अप्रैल-16 के चुनाव हु थे□ इसलॉ इस बार ऐन क् त पर उन् ही लोगों के सदस् य माना गया, जो अप्रैल-17 तक अपना सदस् यता शुल् क जमा कर चुके थे□ ऐसी हालत में अधक्श वकील तो मतदाता के तौर पर छंट कर बाहर हो गये□



इसक कारण है कि अवध बार सोसयिशन के माखौल बना कर केवल कुर्सी हड़पने की प्रवृत्ति के खत् म करना ही था, जो इस बार सफल हो गयी□ पछिली बार, वे बताते हैं कि, हर प्रत् याशी 45 लाख रूपयों तकक खर्चा करता था□ खर्चा क् या, पैसा पूंक्ता था□ लेकिन इस नये नयिम से वही वकील मतदाता के तौर पर चन्हित हो पाये जो नयिमति रूप से अपना शुल् क अदा करते हैं□ जाहरि है कि यह वही लोग होंगे, जो हाईक्रेट में नयिम से आते होंगे□ आईबी सहि बताते हैं कि इस बार अवध बार सोसयिशन की सदस् यता साढ़े सात हजार से भी ज् यादा हो चुकी थी, लेकिन कड़े प्रतबंधों के चलते केवल 2700 लोग ही पात्र पाये गये, और उन् होंने ही शर्द्धापूर्वक मतदान किया□

इस नरिवाचन प्रक्रिया में शामिल अपनी पूरी टीम के आईबी सहि ने हार्दकिधन् यवाद और आभार व् यक् त किया है□ उन् होंने इस बात की भी सम् भावना व् यक् त की है, कि अवध बार सोसयिशन क भवष्ि य इसी तरह की नरिवाचन प्रक्रियाओं से ही पुष्पति और पल्लवति होता रहेगा□

Written by कुमार सोवीर  
Saturday, 12 August 2017 19:02

---

